इंगलैण्ड का इतिहास

Paper - II

Q. रॉबर्ट पील की उपलब्धियों का मूल्यांकन करें।

पील का जन्म सन् 1788 ई० में लंकाशायर के एक धनीमनी व्यापारी के गृह में हुआ था। सम्पतिशाली परिवार में जन्म लेने की वजह से उसका लालन-पालन एक राजकुमार की भाँति हुआ था। उसकी पढ़ाई-लिखाई पर उसका पिता उचित नजर रखता था। बचपन में ही उसका गुण झलकता था। इसलिए उसका पिता उससे काफी आशान्वित था।

शिक्षा : इसी कारण उसकी शिक्षा-दीक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। उसकी प्रारम्भिक शिक्षा हैरो और ऑक्सफोर्ड में हुई थी। बचपन से ही राजनीति की ओर उसकी अधिक अभिरुची थी। जीवन भर वह राजनीति की सेवा करता रहा। वह एक उच्च कोटि का विद्वान था। भाषण देने की कला में वह दक्ष था।

संसद का सदस्य : पील सबसे पहले सन् 1809 ई० में संसद का सदस्य चुना गया। वह एक कुशल और उच्च कोटि का व्यक्ति था। वह अपनी कुशलता एवं योग्यता के आधार पर 1812 ई० में आयरलैण्ड का प्रधान सचिव चुना गया। सात वर्षों के बाद सन् 1822 ई० में SUNDAY 28 लवरपूल मन्त्रिमण्डल में गृह मन्त्री बनाया गया। थोड़े ही दिनों में उसने अपनी सेवा से जनता के दिल और दिमाग को जीत लिया। वह जनता के बीच अत्यधिक लोकप्रिय हो गया। सन् 1828 ई० में वह ड्यूक ऑफ वेलिंगटन मन्त्रिमण्डल में House of Commons का नेता चुन लिया गया।

Scanned with CamScanner

(088-277) WK 14
29 MONDAY • MARCH • 2021
FEBRUARY 2021
S M T W T F S
1 2 3 4 5 6
7 8 9 10 11 12 13
14 15 16 17 18 19 20
21 22 23 24 25 26 27
28

गुण: पील भाषण देने में पारंगत, दूरदर्शी, बहुत बड़ा सुधारक और लोकप्रिय शासक था। एक महान व्यक्ति के सभी गुण उसमें मौजूद थे। वह स्वभाव से ही लजालु था। परन्तु उसका चरित्र गुणों की खान थी। उसमें कुछ ऐसी महानता थी जिसकी वजह से लोग बरबस ही उसकी ओर आकर्षित हो जाते थे।

समस्याएँ :- जिस समय पील प्रधानमन्त्री बना था उस समय देश में अनेक समस्याएँ मुँह फैलाकर इंगलैण्ड को निगल जाना चाहती थी। उस समय इंगलैण्ड का व्यापार ढीला-ढाला होकर गिरता जा रहा था। देश में गरीबी का नग्न-नृत्य हो रहा था। सर्वत्र अशान्ति और अव्यवस्था थी। खेती भी नष्ट हो गई थी। फलत: इंगलैण्ड में बेकारी की समस्या भीषण रूप से आ गई थी।

आर्थिक सुधार: रोबर्ट पील ने निम्नलिखित आर्थिक सुधार किये -

① पील एक महान और आदर्श राजनितिज्ञ था। वह एडम स्मिथ का पक्का शिष्य था। संरक्षण की नीति में उसे पूरा विश्वास था। लेकिन कुछ समय के बाद उसकी नीति में महान परिवर्तन आ गया। अब वह स्वतन्त्र व्यापार का समर्थक बन गया। उसने शीघ्र ही बहुत से मालों पर से चुंगी उठा दी और कुछ पर से चुंगी की दर से कमी कर दी जिसका फल बहुत लाभदायक निकला। देश और विदेश में इंगलैण्ड के माल की

इंगलैण्ड का इतिहास

Paper-II

खपत बढ़ गई। फलतः आयात-निर्यात भी बढ़ गया।

(2) राष्ट्रीय आय में चुंगी की दर में कमी लाने के फलस्वरूप जो घाटा हुआ था उसकी पूर्ति के लिए पील ने 150 पौंड की सालाना आमदनी वाले लोगों पर 7 पेंस प्रति ₹ पौंड का आयु-कर लगाया। इस कर से देश को 20 लाख पौंड की बचत हुई। पील ने सन् 1844 ई० में Bank Charter Act पास किया।

सामाजिक सुधार: समाज राष्ट्र का स्तम्भ होता है। इसलिये पील ने सामाजिक जीवन में सुधार लाने के विचार में 1842 ई० में कोलियारिज ऐक्ट पास किया। जिसके अनुसार 10 वर्ष की उम्र वाले बच्चों, बच्चियों और औरतों को खानों में काम नहीं करने दिया जा सकता था। सभी काम कानूनी ढंग से करवाने के लिये इन्सपेक्टर बहाल किये गये। वे लोग खानों में जा-जाकर भी जांच करते थे। 1844 और 1845 ई० में कारखाना कानून पास हुआ। इस कानून से सबसे अधिक मजदूरों को लाभ हुआ।

अन्न विधान: 1815 ई० में अन्न विधान पास किया गया था। इस विधान के अनुसार विदेश से आने वाले अनाज पर नियन्त्रण लगा दिया गया था। नेपोलियनिक युद्ध के बाद अधिक मात्रा में विदेश से अन्न आ रहा था, लेकिन देश का अन्नु बिक नहीं पाता था। इसलिए मूल्य तय करने के लिए ही यह विधान पास किया गया

Scanned with CamScanner

था। नेपोलियनिक युद्ध के बाद अधिक मात्रा में विदेश से अन्न आ रहा था। लेकिन देश की अन्न बिक नहीं पाता था। इसलिए मूल्य तय करने के लिए ही यह विधान पास किया गया था। पील संसार के महान और प्रधान मंत्रियों में से एक था। उसने इंगलैंड को सुदृढ़ और सुरक्षित बना दिया। उसने देश को हर तरह से खुशहाल बना दिया। वह बहुत गंभीर स्वभाव का व्यक्ति था। उसके विचार आदर्श होते थे।

अतः पील एक महान राजनीतिज्ञ था। उसने अपने देश की जो सेवा की, उसके आधार पर उसे इंगलैंड का ही नहीं, अपितु विश्व के प्रधान-मंत्रियों में महत्वपूर्ण स्थान दिया जाता है।

D. Jha, S.R.A.P College

Scanned with CamScanner